हिंदी विभाग

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

एम. ए. (हिंदी)

सी. बी. सी. एस. पाठ्यक्रम : 2019-20, 2020-21

(द्विवर्षीय कार्यक्रम)

ध्यातव्य :

1. इस द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष दो - दो सेमेस्टर अर्थात् कुल चार सेमेस्टर होंगे।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 5 प्रश्नपत्र होंगे और प्रत्येक प्रश्नपत्र 5 इकाई में विभक्त होगा।
3. हर प्रश्नपत्र 5 क्रेडिट, सेमेस्टर 25 क्रेडिट और सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 100 क्रेडिट का होगा।
4. प्रत्येक प्रश्नपत्र की कुल 5 क्रेडिट के लिए 90 व्याख्यान (75 घंटे) निर्धारित होंगे।
5. प्रत्येक सेमेस्टर के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे और पंचम प्रश्नपत्र में स्वैच्छिक चयन के विकल्प दिए जायेंगे।
6. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र स्वैच्छिक चयन के दो-दो विकल्पों और तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र स्वैच्छिक चयन के तीन-तीन विकल्पों पर आधृत होंगे।
7. प्रत्येक सेमेस्टर के पंचम प्रश्नपत्र में अन्य विषयों या अनुशासनों के विद्यार्थियों के लिए भी स्वैच्छिक चयन के विकल्प रहेंगे।
8. प्रत्येक सेमेस्टर का प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंको का होगा। इसमें लिखित परीक्षा के लिए 70 अंक और आंतरिक मूल्यांकन के लिए 30 अंक निर्धारित होंगे। लिखित परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
9. आंतरिक मूल्यांकन के 30 अंको का विभाजन इस प्रकार होगा -
   (क) उपस्थिति एवं अनुशासन - 5 अंक
   (ख) वस्तुनिष्ठ अथवा लघुत्तरीय परीक्षा - 10 अंक
   (ग) नियत कार्य - 15 अंक

Scanned by CamScanner

सेमेस्टर : 1

प्रश्नपत्र 1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल तथा मध्यकाल

5 क्रेडिट, पूर्णांक– 100 अंक
लिखित परीक्षा– 70 अंक
आन्तरिक परीक्षा– 30 अंक

साहित्य के इतिहासलेखन से परिचित कराते हुए उसके विकास के बोध को बनाना अभिप्रेत है। हिंदी साहित्य के आदिकाल एवं मध्यकाल के प्रस्तुत पाठ्यक्रम का लक्ष्य विद्यार्थियों को उक्त कालों के परिवेश एवं तद्जन्य साहित्यिक रचनाओं की प्रकृति एवं काव्यमयता से अवगत कराना है, जिससे उन्हें हिंदी साहित्य के क्रमिक विकास का सहज बोध हो सके और आदिकाल तथा मध्यकाल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों और उपलब्धियों की स्पष्ट पहचान बन सके।

इकाई– 1. इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप; इतिहास दर्शन– भारतीय दृष्टि, पाश्चात्य दृष्टि;
साहित्य का इतिहास– अवधारणा, हिंदी साहित्येतिहासलेखन के स्रोत एवं परंपरा, नामकरण और कालविभाजन

इकाई– 2. सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य, गद्य साहित्य, आदिकालीन हिंदी साहित्य की विशेषताएं एवं उपलब्धियाँ

इकाई– 3. भक्ति आन्दोलन : स्वरूप एवं व्याप्ति, तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक एवं सामाजिक परिवेश, निर्गुण परंपरा एवं ज्ञानाश्रयी भक्तिधारा, प्रेमाख्यानक काव्य परंपरा एवं प्रेमाश्रयी भक्तिधारा, अध्यात्म दृष्टि, समाज दृष्टि एवं काव्य–सौन्दर्य

इकाई– 4. वैष्णव भक्ति दर्शन एवं सगुण भक्ति परंपरा, रामभक्ति काव्यधारा, कृष्णभक्ति काव्यधारा एवं संप्रदाय (वल्लभ संप्रदाय, निम्बार्क संप्रदाय, राधावल्लभ संप्रदाय, हरिदासी संप्रदाय, चैतन्य संप्रदाय) तथा संप्रदाय निरपेक्ष– मीरा, रसखान। अध्यात्म दृष्टि एवं काव्य सौन्दर्य, भक्तिकाल की अन्य काव्यप्रवृत्तियाँ– वीरकाव्य, नीतिकाव्य, रीतिकाव्य ; भक्तिकालीन साहित्य का प्रदेय।

इकाई– 5. रीतिकालीन साहित्य की पूर्व परंपरा (आदिकाल एवं भक्तिकाल) एवं नामकरण, विभाजन– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त, रीति की शास्त्रीय अवधारणा, रीतिकाव्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ– रीति निरूपण एवं शृंगारिकता, रीतिकाल की गौण प्रवृत्तियाँ– वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य। रीतिकालीन काव्यांग विवेचन एवं काव्य के कलापक्ष का उत्कर्ष, रीतिकाल की उपलब्धियाँ।

सहायक ग्रंथसूची :

1.रामचन्द्र शुक्ल ; हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी ; हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी ; हिंदी साहित्य की भूमिका , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारीप्रसाद द्विवेदी ; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास ,राजकमल प्रकाशन, दि॰
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , हिंदी साहित्य का अतीत , भाग–1 और भाग–2 , वाणी वितान ब्रह्मनाल, वाराणसी
6. रामस्वरूप चतुर्वेदी , हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
7. बच्चन सिंह , हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली
8. मैनेजर पाण्डेय , साहित्य और इतिहास दृष्टि , वाणी प्रकाशन दिल्ली
9. हजारी प्रसाद द्विवेदी , मध्यकालीन बोध का स्वरूप , पब्लिकेशन ब्यूरो , पंजाब यूनिवर्सिटी , चण्डीगढ

Scanned by CamScanner

10. नलिन विलोचन शर्मा , हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन , बिहार राष्ट्रभाषा परिषद , पटना
11. सुमन राजे, साहित्येतिहास : संरचना ओर स्वरूप

प्रश्नपत्र 2. आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी काव्य

5 क्रेडिट, पूर्णांक– 100 अंक
लिखित परीक्षा– 70 अंक
आन्तरिक परीक्षा– 30 अंक

इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों में आदिकालीन तथा मध्यकालीन साहित्य के प्रति अभिरुचि विकसित हो सके।

इकाई– 1. व्याख्या : चुनी हुई कविताएं

चन्दबरदाई : पृथ्वीराज रासो– पद्मावती समय

गोरखनाथ : गोरखबानी–सार–संग्रह (संपादक– रामचन्द्र तिवारी, रामदेव शुक्ल, भवदीय प्रकाशन, फैजाबाद),

सबदी– 1 , 2 , 6 , 8 , 9 , 23 , 27 , 37 , 40 , 48

पद– 1 , 2 , 6

(राग–रामसी) ; (राग–असावटी) – 2 , 5 , 8

विद्यापति : (संपादक– आनन्द प्रकाश दीक्षित , साहित्य प्रकाशन मंदिर , ग्वालियर)

पद संख्या– 1 , 2 , 9 , 10 , 13 , 14 , 23 , 68 , 74 , 76

कबीरदास : कबीर ग्रन्थावली , संपादक– श्यामसुन्दर दास , संस्करण– 2012 ई.

गुरुदेव कौ अंग– साखी संख्या 12 , 13 ; परचा कौ अंग– साखी संख्या 3 , 35 , चितावणी कौ अंग– साखी संख्या– 13 , 34 ; मन कौ अंग– साखी संख्या 1 , 8 ; साध कौ अंग– साखी संख्या 1 , 7

पद संख्या 11 , 15 , 16 , 40 , 51

मलिक मुहम्मद जायसी : जायसी ग्रंथावली, संपादक– रामचन्द्र शुक्ल , 19 वाँ संस्करण, सं. 2056 वि.

सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड– दोहा संख्या 18 ; मानसरोदक खण्ड– दोहा संख्या 4 ; नागमती सुआ खण्ड– दोहा संख्या 2; नखशिख खण्ड– दोहा संख्या 4 ; प्रेम खण्ड– दोहा संख्या 2 ; पदमावती वियोग खण्ड– दोहा संख्या 6 ; पदमावती रत्नसेन भेंट खण्ड– दोहा संख्या 8 ; नागमती वियोग खण्ड– दोहा संख्या 8 ; चित्तौर आगमन खण्ड– दोहा संख्या 3

सूरदास : सूरसागर सार सटीक , संपादक– धीरेन्द्र वर्मा , संस्करण 1999

विनय तथा भक्ति पद संख्या– 2 , 24 ; गोकुल लीला– 18 , 56 ; वृन्दावन लीला– 42 , 151 ; राधा कृष्ण– 2 , 42; मथुरा गमन– 40 , 84 ; उद्धव संदेश– 41 , 69

तुलसीदास : (क) विनय पत्रिका , गीताप्रेस गोरखपुर ,दप्पनवाँ संस्करण , पद संख्या– 90 , 105 , 172

(ख) कवितावली , गीताप्रेस गोरखपुर , चौवालीसवाँ संस्करण , बालकाण्ड– 3 , 4 ; सुन्दरकाण्ड– 5

(ग) गीतावली , गीताप्रेस गोरखपुर , सत्ताईसवाँ संस्करण , बालकाण्ड– 27 , 106

(घ) दोहावली , गीताप्रेस गोरखपुर , से ।तीसयाँ संस्करण , दौ।। संख्या– 7 , 41

केशवदास, बिहारी, देव , घनाननन्द : रीतिकाव्य धारा , रामचन्द तिवारी , रामफेर त्रिपाठी , विश्वविद्यालय प्रकाशन ;

केशवदास– छन्द संख्या– 1 , 5 , 10 , 19 , 35 , 45 , 53 , 63 , 65 , 69

बिहारी– दोहा संख्या– 1 , 6 , 10 , 21 , 27 , 31 , 37 , 44 , 53 , 64

देव– छन्द संख्या– 5 , 6, 13 , 20 , 29 , 35 , 38 , 40 , 47 , 50

घनानन्द– छन्द संख्या– 1 , 3 , 4 , 7 , 9 11 , 16 , 17 , 20 , 22

Scanned by CamScanner

इकाई- 2 चन्दरबरदाई - ऐतिहासिकता, सौन्दर्य चित्रण, भाषा
गोरखनाथ - ब्रह्मा का स्वरूप, समाज-संस्कार, प्रभाव, कवित्व
विद्यापति - सौन्दर्य, शृंगार, गीतितत्त्व, भाषा
इकाई - 3. कबीर - भक्ति-भावना, समाज-दर्शन, विद्रोह-भावना, काव्य-कला
जायसी - प्रेमभावना, लोकतत्त्व, कथानक रूढ़ियाँ, काव्य-दृष्टि
सूर - भक्तिभावना, वात्सल्य वर्णन, शृंगार वर्णन, गीतितत्त्व
इकाई - 4 तुलसीदास - भक्ति-भावना, सामासिक-संस्कृति दृष्टि, लोकमंगल, काव्यदृष्टि
केशवदास - आचार्यत्व, काव्यदृष्टि, संवाद-योजना
भूषण - युगबोध, अंतर्वस्तु, काव्यकला
इकाई - 5 बिहारी - सौन्दर्य-भावना बहुज्ञता, काव्यकला
घनानंद - स्वछन्द योजना, प्रेमव्यंजना, काव्यदृष्टि

सहायक ग्रन्थ :

1. भक्ति आन्दोलन और भक्तिकाव्य, डॉ. शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
2. मध्यकालीन धर्मसाधना, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. उत्तर भारत की संत परंपरा, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद
4. मध्ययगीन काव्य साधना, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
5. कबीर, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कबीर, डॉ. वासुदेव सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
7. कबीर मीमांसा, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
8. सूफी साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमण्डल लि0 वाराणसी
9. मलिक मुहम्मद जायसी ओर उनका काव्य, शिवसहाय पाठक, ग्रंथम, कानपुर
10. हिंदी के सूफी प्रेमाख्यान, परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, (प्रा. लि.) दिल्ली
11. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
12. पद्मावत संजीवनी भाष्य, वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. जायसी ग्रंथावली, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
14. तुलसी काव्य मीमांसा, डॉ. वासुदेव सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
15. तुलसी ग्रंथावली, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
16. लोकवादी तुलसी, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
17. तुलसी, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. सूर और उनका साहित्य, डॉ. हरिवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़
19. सूरदास, डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
21. हिंदी साहित्य का अतीत, दो भाग, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन दिल्ली
22. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय, डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिंदी साहितय सम्मेलन, प्रयाग
23. घनानन्द का शृंगार काव्य, डॉ. रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 3 लोकसाहित्य और भोजपुरी काव्य तथा नाटक

क्रेडिट- 5
पूर्णांक-100 अंक
लिखित परीक्षा-70 अंक
आतंरिक परीक्षा- 30 अंक

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में लोकसाहित्य और भोजपुरी अंचल की संस्कृति तथा साहित्य के प्रति समझ विकसित हो सकेगी।

इकाई– 1. लोकसाहित्य : लक्षण, परिभाषा और क्षेत्र ;
लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य, लोकसाहित्य का महत्त्व, लोकसाहित्य की आलोचना के आधार स्तम्भ, लोकसाहित्य और लोक संस्कृति

इकाई–2. हिंदी का लोकसाहित्य : इतिहास, समीक्षा और सीमाएँ
हिंदी प्रदेश का लोकसाहित्य, लोकसाहित्य तथा अन्य कला, शास्त्र तथा समाज-विज्ञान, लोकसाहित्य के मौलिक तत्त्व

इकाई– 3. भोजपुरी लोकसाहित्य की विधाएँ : लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे तथा पहेलियाँ

इकाई– 4. भोजपुरी का नामकरण, क्षेत्र–विस्तार ; भोजपुरी की विशेषताएँ , भोजपुरी की आंचलिक संस्कृति , आधुनिक भोजपुरी साहित्य में लोकतत्त्व

इकाई– 5. भोजपुरी काव्य तथा नाटक :
कविता– कबीरदास, हीराडोम, मनोरंजन प्रसाद सिन्हा, मोती बी0 ए0– 'महुआबारी में बहार', 'संमर के फूल' एवं धरीक्षण मिश्र की चुनी हुई कविताएँ– 'भोजपुरी साहित्य संचयन' से, संपादन– प्रो.चित्तरंजन मिश्र, डॉ. विमलेश कुमार मिश्र
नाटक– मेहरारुन के दुरदसा (राहुल सांकृत्यायन, तीन नाटक, किताब महल, इलाहाबद)
गबरघिचोर (भिखारी ठाकुर, 'भोजपुरी साहित्य संचयन' से, संपादन– प्रो. चित्तरंजन मिश्र, डॉ. विमलेश कुमार मिश्र)

सहायक ग्रंथ :

1. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, लोकसाहित्य की भूमिका, साहित्यभवन, इलाहाबाद
2. श्रीधर मिश्र, लोकसाहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
3. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, भोजपुरी लोकसाहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. डॉ. विमलेश कुमार मिश्र, समकालीन भोजपुरी काव्य की सामाजिक चेतना, संस्मृति सुधा प्रकाशन, गोरखपुर
5. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, भोजपुरी के लोकगीत– भाग एक और भाग दो , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. डॉ. ईश्वरचन्द्र सिन्हा, भोजपुरी लोकगाथा
7. डॉ. अर्जुन तिवारी, भोजपुरी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 4 भारतीय काव्यशास्त्र

5 क्रेडिट, पूर्णांक– 100 अंक
लिखित परीक्षा– 70 अंक
आन्तरिक परीक्षा– 30 अंक

इस प्रश्नपत्र के अन्तर्गत भारतीय काव्य–चिन्तन के महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं से विद्यार्थियों को परिचित कराया जायेगा। काव्य के मानदण्डों को समझने के लिए यह प्रश्नपत्र सहायक होगा। काव्यशास्त्रीय समझ विकसित करना एवं काव्य के शास्त्रीय पक्ष का अध्ययन कराना इसका प्रमुख उद्देश्य है।

इकाई–1. काव्य लक्षण , प्रयोजन, काव्य सृजन की प्रक्रिया, काव्यभेद , महाकाव्य के लक्षण, काव्य के प्रकार– आधुनिक संदर्भ

इकाई– 2. नाटक : भेद, तत्त्व, अर्थप्रकृतियाँ, संधियाँ, संकलनत्रय

इकाई– 3. काव्य के तत्त्व : महत्त्व एवं अन्तःसम्बंध, काव्य–दोष, काव्य–गुण, काव्य की आत्मा– अलंकार , रस , ध्वनि , वक्रोक्ति औचित्य

इकाई– 4. शब्द शक्तियाँ– अभिधा शब्द शक्ति और उसके भेद , लक्षणा शब्द शक्ति और उसके भेद , व्यंजना शब्द शक्ति और उसके भेद , ध्वनि और गुणीभूत व्यंग्य

इकाई– 5. रस निष्पत्ति, रस सिद्धान्त की आधुनिक प्रासंगिकता, साधारणीकरण , रस का स्वरूप , रस और विचार , रस के अवयवों का अन्तःसम्बन्ध , सहृदय की अवधारणा , काव्यानुभूति की प्रक्रिया , रसास्वाद के बुनियादी घटक

सहायक ग्रंथ :

1. डॉ. भगीरथ मिश्र, काव्यशास्त्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
2. डॉ. तारकनाथ बाली, भारतीय काव्यशास्त्र , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. डॉ. शोभाकांत मिश्र , भारतीय काव्य चिंतन, पटना
4. डॉ. रामचन्द्र तिवारी , भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
5. डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी , भारतीय आचार्य परम्परा
6. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह , भारतीय काव्यशास्त्र , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. डॉ. बच्चन सिंह , भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन , हरियाणा साहित्य अकादमी
8. रामदहिन मिश्र , साहित्यदर्पण , चौखम्भा प्रकाशन , वाराणसी
9. डॉ. अर्चना श्रीवास्तव , भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना

Scanned by CamScanner

प्रश्न पत्र : 5 वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(निम्नलिखित दो प्रश्नपत्रों में से किसी एक का चयन अपेक्षित है)

(अ) : सिनेमा और हिंदी साहित्य

क्रेडिट - 5
पूर्णांक-100 अंक
लिखित परीक्षा-70 अंक
आतंरिक परीक्षा- 30 अंक

इस प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र हिंदी सिनेमा के स्वरूप, उसकी विशेषताओं तथा विकास-यात्रा से परिचित हो सकेंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश सिनेमा और हिंदी साहित्य की विभिन्न कृतियों के परस्पर संबंधों पर प्रकाश डालते हुए सिनेमा और साहित्य के विकास में एक-दूसरे की भूमिका के महत्व से छात्रों को परिचित कराना होगा।

इकाई - 1 : सिनेमा का इतिहास, सिनेमा का स्वरूप-विकास, सिनेमा के विभिन्न रूप और प्रकार

इकाई - 2 : समाज, संस्कृति और राजनीति से सिनेमा का सम्बन्ध, शिक्षा, मनोरंजन और सिनेमा, जन-माध्यम के रूप में सिनेमा की वस्तु, भाषा और कला का महत्व

इकाई - 3 : भारत में सिनेमा का आरम्भ, हिंदी सिनेमा का आरम्भ और विकास, हिंदी सिनेमा : प्रयोग, प्रवृतियां और धाराएं

इकाई - 4 : हिंदी साहित्य और सिनेमा, हिंदी की साहित्यिक कृतियाँ और उनका सिनेमा में रूपांतरण - चित्रलेखा, मारे गये गुलफाम (तीसरी कसम), शतरंज के खिलाडी, सारा आकाश, यही सच है (रजनीगंधा) और काली आंधी (आंधी) के विशेष सन्दर्भ में साहित्य और सिनेमा की संवेदना एवं संरचना का अंतर और सम्बन्ध

इकाई - 5 : सिनेमा और हिंदी साहित्य का समकालीन परिदृश्य, समस्याएं एवं सम्भावनाएं

<u>सन्दर्भ-ग्रंथ</u> :

अमृतलाल नागर ; फिल्म क्षेत्रे - रंग क्षेत्रे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
जबरीमल पारख ; हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रन्थ शिल्पी, दिल्ली
जबरीमल पारख ; लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स, नयी दिल्ली
दिनेश श्रीनेत ; पश्चिम और सिनेमा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
मृत्युंजय (सं) ; सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
विनोद भरद्वाज ; सिनेमा : कल, आज, कल, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
शम्भुनाथ (सं) ; हिंदी सिनेमा का सच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
सत्यजित राय ; चलचित्र, कल और आज, राजपाल एंड संस, दिल्ली

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 5 (ब) : हिंदी पत्रकारिता

क्रेडिट - 5
लिखित परीक्षा - 70 अंक
आंतरिक परीक्षा - 30 अंक
पूर्णांक - 100 अंक

इसका उद्देश्य छात्रों में हिंदी पत्रकारिता के अध्ययन की अभिरुचि उत्पन्न करते हुए पत्रकारिता की व्यावहारिक क्षमता अर्जित करने की दिशा में प्रेरित करना है

इकाई : 1 पत्रकारिता : परिभाषा और स्वरूप, पत्रकारिता का महत्व और उसकी सामाजिक भूमिका

इकाई : 2 पत्रकारिता : उद्भव और विकास, पत्रकारिता के प्रकार और उसकी दिशाएं, पत्रकारिता : आचार-संहिता और नैतिकता के प्रश्न

इकाई : 3 हिंदी पत्रकारिता का इतिहास : नवजागरणकालीन और स्वातंत्र्योतर पत्रकारिता का स्वरूप और विकास, हिंदी पत्रकारिता की साहित्यिक भूमिकाएं

इकाई : 4 हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार-माध्यम : प्रिंट मीडिया, रेडियो, टेलीविज़न, इन्टरनेट, पत्रकारिता के विभिन्न माध्यम और रूप

इकाई : 5 प्रौद्योगिकी, बाजार और राजसत्ता का समकालीन परिदृश्य और हिंदी पत्रकारिता, हिंदी पत्रकारिता की सीमाएं और उपलब्धियां, हिंदी पत्रकारिता की समस्याएं और संभावनाएं

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची :

अर्जुन तिवारी ; हिंदी पत्रकारिता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
अर्जुन तिवारी ; आधुनिक पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
अशोक कुमार शर्मा ; संचार क्रांति और हिंदी पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
बच्चन सिंह ; हिंदी पत्रकारिता के नये प्रतिमान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
कृष्णबिहारी मिश्र ; हिंदी पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
देवप्रकाश मिश्र ; हिंदी पत्रकारिता : आधुनिक सन्दर्भ, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

Scanned by CamScanner

सेमेस्टर : 2

प्रश्नपत्र : 1 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

क्रेडिट-5, लिखित परीक्षा- 70 अंक, आंतरिक- 30 अंक, पूर्णांक- 100 अंक

अनुभूति और व्यापकता की दृष्टि से आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रकृति अपने पूर्ववर्ती साहित्य से विशिष्ट है। आधुनिक दृष्टि के साथ इस कालखंड के साहित्य के अध्ययन की रुचि विकसित करना इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य है।

इकाई– 1. मध्ययुगीनता और आधुनिकता का अर्थ तथा अन्तर
नई भाषा , नया चिन्तन तथा साहित्य के नये कारोबार (प्रेस–पत्रिका–अखबार) की आधुनिकता को घटित करने में भूमिका
ब्रिटिश सत्ता का आधिपत्य और भारतीय जनता का स्वाधीनता संघर्ष तथा सांस्कृतिक पुनर्जागरण
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और उनका मण्डल– 19वीं शताब्दी में हिंदी नाटक और नाटकों की नवजागरण मे भूमिका
पत्र–पत्रिकाओं से सृजित नया साहित्यिक परिवेश

इकाई– 2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग– 'सरस्वती' हिंदी नवजागरण , द्विवेदी युग के प्रमुख गद्यकार और कवि
हिंदी में आधुनिक गद्य विधाओं के उदय तथा विकास का आकलन– उपन्यास , निबन्ध , कहानी, आलोचना,
राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन और हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव
हिंदी में स्वच्छन्दतावादी प्रवृत्ति का उदय

इकाई– 3. हिंदी में छायावादी काव्य प्रवृत्ति और उसके विकास की पृष्ठभूमि– प्रमुख कवि और उनकी काव्यगत अभिरुचियाँ– प्रसाद, पन्त, निराला, महादेवी वर्मा
प्रगतिशील आन्दोलन और हिंदी साहित्य : 1936 ई. के आस पास का बना विश्व अनुभव और हिंदी साहित्यकारों– प्रेमचन्द, पन्त आदि का परिवर्तित होता मन–मस्तिष्क तथा साहित्य सृजन (युगान्त का अनुभव और युगवाणी की ओर बनती साहित्यिक गति)

इकाई– 4. स्वाधीनता संघर्ष में 1942 का आन्दोलन और नई राह की चाह में घटित प्रयोग की पृष्ठभूमि– प्रयोगवाद, नया साहित्य
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य– देश विभाजन और हिंदी साहित्य , स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में विचारधारात्मक द्वन्द्व– व्यक्ति–स्वातंत्र्य, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद और हिंदी साहित्य पर पड़ा प्रभाव

इकाई– 5. आंचलिक उपन्यास तथा कहानियाँ ; नाटक–रंगमंच के क्षेत्र में नये प्रयोग
साठोत्तरी साहित्य की प्रवृत्तियाँ– अकविता, प्रतिबद्ध कविता / कहानी आदि
जनवादी और जनसंस्कृति मंच आदि की साहित्य में बनी अभिव्यक्तियाँ
समकालीन साहित्य में उभरते नये सरोकार– भूमण्डलीकरण और साहित्य , दलित तथा स्त्री प्रश्न और साहित्यिक प्रवृत्ति

सहायक ग्रंथ :

1. रामचन्द्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. रामविलास शर्मा, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रामविलास शर्मा, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. नंददुलारे वाजपेयी, साहित्य बीसवी शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एन.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 2 आधुनिक हिंदी काव्य : भारतेंदु युग से छायावाद तक

क्रेडिट-5, लिखित परीक्षा- 70 अंक, आंतरिक- 30 अंक, पूर्णांक- 100 अंक

भारतेंदु युग से छायावाद तक का साहित्य नवजागरण की चेतना से संपन्न है। नवजागरणकालीन भारतीय समाज की चेतना और संघर्ष की दिशाओं को समझने के लिए इस कालखंड का साहित्य अत्यंत उपयोगी है। इस साहित्य के प्रति रूचि और आकर्षण का विकास करना इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इकाई– 1. कवि और कविताएँ : व्याख्या

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : 'प्रेममल्लिका' का 68 वां छन्द ('ऊधो जो अनेक मन होते'), 'वर्षा विनोद' का 7 वां छन्द– ग़ज़ल (न आया वो दिलवर औ आई घटा), विजयिनी–विजय–वैजयन्ती के छन्द– 55, 56, 57, 58 (हाय सोई भारत भूमि), 'नये जमाने की मुकरी' (1, 7, 8, 11), 'हिंदी की उन्नति' (5, 6, 7, 8, 9, 22, 31)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : 'प्रिय प्रवास' का प्रथम सर्ग

मैथिलीशरण गुप्त : 'साकेत' का नवम सर्ग

जयशंकर प्रसाद : 'कामायनी' का 'श्रद्धा सर्ग'

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : अपरा (जुही की कली , संध्या सुन्दरी , ध्वनि , भारतिजय विजय करे , तोड़ती पत्थर, सरोज–स्मृति , राम की शक्ति–पूजा)

सुमित्रानन्दन पन्त : तारापथ (प्रथम रश्मि का आना रंगिनि , मोह , मौन निमंत्रण , परिवर्तन , नौका विहार , द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र)

महादेवी वर्मा : यामा (वे मुस्काते फूल नहीं , जो तुम आ जाते एक बार , दिया क्यों जवन का वरदान , विरह का जलजात जीवन , बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ , मधुर मधुर मेरे दीपक जल ! , मैं नीर भरी दुःख की बदली , चिर सजग आँखें उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना)

इकाई– 2. आधुनिकता की अवधारणा , हिंदी काव्य में आधुनिकता का प्रवेश , हिंदी पुनर्जागरण और भारतेन्दु का काव्य , भारतेन्दु के काव्य में भक्ति , श्रृंगार , और प्रकृति , राजभक्ति एवं राष्ट्रभक्ति, भाषा एवं कला–पक्ष इकाई– 3. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' एवं मैथिलीशरण गुप्त की चेतना पर युगीन प्रभाव , काव्य–सौन्दर्य , 'प्रिय प्रवास' एवं 'साकेत' का महाकाव्यत्व , भाषा एवं कला–पक्ष , प्रिय प्रवास' के 'प्रथ सर्ग' का प्रतिपाद्य , साकेत के नवम सर्ग का विरह–वर्णन

इकाई– 4. जयशंकर प्रसाद एवं सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की काव्य–चेतना और छायावाद , आनन्दवाद एवं समरसता के संदर्भ में कामायनी का दार्शनिक प्रतिपाद्य , कामायनी का महाकाव्यत्व , कामायनी का रूपक–तत्त्व , प्रासंगिकता , निराला की सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि , सौन्दर्य–बोध , प्रगतिशीलता , शिल्प–प्रयोग एवं लम्बी कविताओं का वस्तु–पक्ष , रूप–पक्ष

इकाई– 5. सुमित्रानन्दन पन्त और महादेवी वर्मा की काव्य–चेतना तथा छायावाद , पन्त के 'पल्लव' की भूमिका का महत्त्व , पन्त के काव्य में प्रेम , प्रकृति और सौन्दर्य , पन्त के काव्य में कल्पना–तत्त्व , पन्त का काव्य–शिल्प , महादेवी वर्मा की रहस्यानुभूति, वेदना–तत्त्व , गीति–तत्त्व और काव्य–भाषा– प्रतीक और बिम्ब विधान

पाठ्य ग्रंथ

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ग्रंथावली , दूसरा भाग, सम्पादक : ब्रजरत्नदास, बी० ए० ,नागरी पचारिणी सभा, काशी
2. प्रिय प्रवास , अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
3. साकेत (नवम सर्ग) , मैथिलीशरण गुप्त
4. कामायनी (श्रद्धा सर्ग) , जयशंकर प्रसाद
5. अपरा , सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली
6. तारापथ , संपादक– दूधनाथ सिंह
7. यामा, महादेवी वर्मा

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 3 हिंदी कहानी

क्रेडिट - 5

लिखित परीक्षा - 70 अंक

आंतरिक परीक्षा - 30 अंक

पूर्णांक - 100

इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से छात्र हिंदी कहानी की विकास-यात्रा, युग-सन्दर्भों के परिवर्तन के सापेक्ष कहानी की संवेदना में घटित होने वाले परिवर्तनों और मनुष्य के जीवन तथा समाज-संस्कृति के साथ कहानी-साहित्य के संबंधों को समझ सकेंगे।

इकाई : 1 व्याख्या

निर्धारित कहानियाँ - उसने कहा था, कफ़न, रसप्रिया, शरणदाता, जिन्दगी और जोंक, परिंदे, मलबे का मालिक

इकाई : 2 हिंदी कहानी : उद्भव और विकास

प्रेमचंदपूर्व, प्रेमचंदयुगीन, प्रेमचंदोत्तर, समकालीन कहानी की प्रवृत्तियां, प्रमुख कहानी आन्दोलन

इकाई : 3 प्रमुख कहानियों का मूल्यांकन एक -

उसने कहा था, कफ़न, गुंडा, पत्नी, रसप्रिया

इकाई : 4 प्रमुख कहानियों का मूल्यांकन दो -

कारवाँ का व्रत, शरणदाता, जिन्दगी और जोंक, परिंदे, वाङ्चू

इकाई : 5 प्रमुख कहानियों का मूल्यांकन तीन -

जहाँ लक्ष्मी कैद है, मलबे का मालिक, दिल्ली में एक मौत, वापसी, यही सच है, कोशी का घटवार

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची-

Scanned by CamScanner

1. नामवर सिंह ; कहानी नयी कहानी
2. रामविलास शर्मा ; प्रेमचंद और उनका युग
3. रामदरश मिश्र ; हिंदी कहानी :एक अन्तरंग पहचान
4. कमलेश्वर ; नयी कहानी की भूमिका

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 4 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

क्रेडिट - 5
लिखित परीक्षा - 70 अंक
आंतरिक परीक्षा - 30 अंक
पूर्णांक -100

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रचना और आलोचना, सर्जना और शास्त्र के अन्तःसम्बन्धो के बारे में पाश्चात्य साहित्य-कला चिंताओं, अवधारणाओं और मान्यताओं से छात्रो को सुपरिचित कराना है।

इकाई : 1

अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत और त्रासदी के तत्व, लोंजाईनस का उदात्तवाद

इकाई : 2

शास्त्रवाद और नव्यशास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद

इकाई : 3

मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद

इकाई : 4

क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, टी. एस. इलिएट का निर्वैयक्तिकता, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा की अवधारणा, आई. ए. रिचर्डस का मूल्य एवं काव्य-भाषा का सिद्धांत

इकाई : 5 नयी समीक्षा की मान्यताएं, संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, विखंडनवाद एवं उत्तरआधुनिकता

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची :

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. तारकनाथ बाली ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. भगीरथ मिश्र ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. बच्चन सिंह ; आलोचना और आलोचना, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 5 वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(निम्नलिखित दो प्रश्नपत्रों मे से किसी एक का चयन अपेक्षित है)

क्रेडिट - 5
लिखित परीक्षा - 70 अंक
आंतरिक परीक्षा - 30 अंक
पूर्णांक - 100

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य दलित एवं स्त्री विमर्श से छात्रों को परिचित कराते हुए उनमे दलित एवं स्त्री जीवन से सम्बंधित प्रश्नों और समस्याओं के प्रति समझका विकास करना है

प्रश्नपत्र : 5(अ) : दलित विमर्श और हिंदी साहित्य

इकाई : 1

दलित, दलित साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप, दलित साहित्य का सामाजिक-सांस्कृतिक-दार्शनिक-परिप्रेक्ष्य, दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र एवं प्रतिमान, दलित साहित्य का समाजशास्त्र, दलित स्त्री प्रश्न, दलित साहित्य की भाषा एवं अभिव्यक्ति का स्वरूप, मिथक प्रतीक एवं बिम्ब

इकाई– 2. दलित विमर्श , विविध संदर्भ और प्रेरणा स्रोत, वैचारिक आधार , वर्ण–व्यवस्था एवं दलित प्रश्न , स्वाधीनता आन्दोलन एवं दलित प्रश्न, अम्बेडकरवाद एवं दलित मुक्ति चेतना

इकाई– 3. दलित मुक्ति आन्दोलन एवं हिंदी साहित्य
दलित साहित्य की परम्परा– सिद्ध , नाथ तथा संत साहित्य
आधुनिक हिंदी दलित साहित्य का इतिहास

इकाई– 4. (क) हिंदी दलित विषयक लेखन : एक समीक्षात्मक पाठ
विशेष संदर्भ– निराला , प्रेमचन्द , अमृतलाल नागर , नागार्जुन, जगदीश गुप्त की दलित विषयक रचनाएँ
(ख) हिंदी दलित साहित्य : परम्परा और विकास ,
हिंदी दलित कविता : अस्तित्व , अस्मिता का संघर्ष एवं बदलाव की प्रतिबद्धता
हिंदी दलित कथा साहित्य : संदर्भ और कथावस्तु की नवीनता, संवेदना और शिल्प का वैशिष्ट्य ,
हिंदी दलित आत्मकथाएँ : यातना एवं मुक्ति की छटपटाहट, सामाजिक–सांस्कृतिक एवं आर्थिक जीवन
प्रमुख आत्मकथाएँ– जूठन, दोहरा अभिशाप, मुर्दहिया

Scanned by CamScanner

इकाई– 5. मोहनदास नैमिशराय, ओमप्रकाश बाल्मीकि, कँवल भारती, ईश कुमार गंगानिया, रजनी तिलक, मलखान, डॉ. एन.सिंह की कविताएँ

निर्दिष्ट कविताओं का आलोचनात्मक पाठ :

मोहनदास नैमिशराय– ईश्वर की मौत, झाड़ू और कलम, ठाकुर का कुआँ,
ओमप्रकाश वाल्मीकि– शब्द झूठ नहीं बोलते, सदियों के संताप, शम्बूक
कँवल भारती– तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती
ईश कुमार– भक्ति का गंभीर सिलसिला
मलखान सिंह– सुनो ब्राह्मण
रजनी तिलक– वजूद है, तुम्हारी आस्थाओं ने
डॉ. एन. सिंह– सतह से उठते हुए

दलित कथा साहित्य एवं आत्मकथाएँ :

जयप्रकाश कर्दम– छप्पर (उपन्यास)
श्योराजसिंह बेचैन– रावण (कहानी)
सुशीला टाकभौरे– सिलिया (कहानी)

दलित आत्मकथाएँ – जूठन (ओम प्रकाश वाल्मीकि)

सहायक ग्रंथ :

1. अभय कुमार दुबे (संम्पादक) , आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
2. ओम प्रकाश वाल्मीकि , दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली
3. कँवल भारती , दलित विमर्श की भूमिका , इतिहसबोध प्रकाशन , इलाहाबाद
4. तेजस्वी कट्टीमनी , भारतीय दलित साहित्य : एक परिचय , वाल्मीकि पब्लिशर्स , नई दिल्ली
5. बाबूराव बाबुल , दलित साहित्य : उद्देश्य और वैचारिकता , दलित साहित्य प्रकाशन , नागपुर

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 5 (ब) : स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य

इकाई : 1

मातृसत्तात्मक एवं पितृसत्तात्मक समाज, पितृसत्ता और स्त्री, परिवार और स्त्री, बाजार, पूंजीवाद और आधुनिकता के साथ स्त्री का सम्बन्ध, स्त्रीवादी आन्दोलन

इकाई : 2

स्त्री विमर्श की पश्चिमी अवधारणा, पाश्चात्य वैचारिक लेखन की प्रवृत्तियां और दिशाएँ, नारीवाद और स्त्री विमर्श, स्त्रीमुक्ति आन्दोलन

इकाई :3

स्त्री विमर्श की भारतीय अवधारणा, समाज और समाज में स्त्री मुक्ति की आकांक्षाएं : मीरा और महादेवी वर्मा, 'सीमंतनी उपदेश' और 'शृंखला की कड़ियाँ' का महत्त्व

इकाई : 4

उपन्यास और आत्मकथा-साहित्य में स्त्री विमर्श : चित्रा मुद्गल- आवां, मृदुला गर्ग- कठगुलाब, प्रभा खेतान- अन्या से अनन्या, मैत्रेयी पुष्पा- गुड़िया भीतर गुड़िया

इकाई : 5

कहानी और कविता साहित्य में स्त्री विमर्श : प्रमुख स्त्री रचनाकारों की कविताओं और कहानियों में स्त्री जीवन की संवेदना और संघर्ष की अभिव्यक्ति के विभिन्न रूप

स्त्री-विमर्श की कविताएं -

1. सुभद्रा कुमारी चौहान- प्रियतम से, प्रभू तू मेरे मन की जानो
2. शकुन्त माथुर- जब मैं थका हुआ घर आऊ, कुछ नही है बात
3. रमणिका गुप्त- मैं आजाद हुई हूँ, रात एक यूकलिप्टस
4. सुशीला टाकभौरे- खोज की बुनियाद, आज की खुद्दार औरत
5. गगन गिल- देवता हो चाहे मनुष्य, प्रेम तो नही है यह लड़की
6. अनामिका- बेवजह, सृष्टि

स्त्री-विमर्श की कहानियां -

1. कृष्णा सोबती - डार से बिछुड़ी
2. मन्नू भंडारी - त्रिशंकु
3. ममता कालिया - बोलने वाली औरत
4. सुधा अरोड़ा - अन्नपूर्णा मंडल की आखिरी चिट्टी
5. नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी
6. अनीता भारती - एक थी कोटे वाली

सन्दर्भ - ग्रन्थ :

1. आशारानी व्होरा; नारी शोषण आईने और आयाम, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली
2. मृणाल पाण्डेय; देह की राजनीति से देश की राजनीति तक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. राजकिशोर (सं); स्त्री के लिए जगह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. सरला महेश्वरी; नारी प्रश्न, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Scanned by CamScanner

सेमेस्टर : 2

प्रश्नपत्र : 1 : हिंदी उपन्यास

क्रेडिट - 5 लिखित परीक्षा - 70 अंक ,आंतरिक परीक्षा-30 अंक , पूर्णांक - 100 अंक

इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा से छात्रों को परिचित कराते हुए उपन्यास साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय जीवन के व्यापक यथार्थ के प्रति दृष्टि और समझ का विकास करना है

इकाई : 1 : व्याख्या :

गोदान : प्रेमचंद
शेखर एक जीवनी (भाग -1) : अज्ञेय
आधा गाँव - राही मासूम रजा

इकाई : 2 : हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास, प्रेमचंदपूर्व युग, प्रेमचंदयुग और प्रेमचंदोत्तरयुग में हिंदी उपन्यास परिवर्तनशील कथ्य और शिल्प

इकाई : 3 : गोदान (प्रेमचंद), त्यागपत्र (जैनेन्द्र कुमार), के वस्तु एवं शिल्प का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई : 4 : शेकर एक जीवनी -भाग 1 (अज्ञेय), मैला आँचल (फणीश्वरनाथ रेणु) की अंतर्वस्तु, संवेदना और संरचना का मूल्यांकन

इकाई : 5 : झूठा सच (यशपाल), आधा गाँव (राही मासूम रजा) में व्यक्त भारतीय जीवन के यथार्थ और नए औपन्यासिक वस्तु तथा शिल्प का आलोचनात्मक अध्ययन

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. गोपाल राय ; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. गोपाल राय ; मैला आँचल
3. मधुरेश ; यशपाल, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
4. रामदरश मिश्र ; हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. रामविलास शर्मा ; प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 2 : छायावादोत्तर हिंदी कविता

क्रेडिट -5, लिखित परीक्षा- 70 अंक, आतंरिक मूल्यांकन- 30 अंक, पूर्णांक- 100 अंक

इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य छात्रों को छायावादोत्तर हिंदी कविता की संवेदना और संरचना के स्वरूप से परिचित कराना है।

इकाई : 1 : कवि और कविताएं : व्याख्या

रामधारी सिंह दिनकर : संचयिता (भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन), हिमालय, चेतना का श्रृंग, परम्परा

केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि कविताएं (सं द्वारिका प्रसाद चारुमित्र शहाबुद्दीन पिपुल्स पब्लिशिंग हाउस, रानी झाँसी रोड नई दिल्ली), बसंती हवा, मजदूर का जन्म, हे मेरी तुम

नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ (सं. नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन दिल्ली) सिंदूर तिलकित भाल, बहुत दिनों के बाद, अकाल और उसके बाद

अज्ञेय : चुनी हुई कविताएँ (राजपाल एंड संस कश्मीरी गेट दिल्ली) कलगी बाजरे की, भीतर जागा दाता, यह दीप अकेला

मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ (राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली) भूल-गलती, बहुत दिनों से, ब्रह्मराक्षस

शमशेर बहादुर सिंह :प्रतिनिधि कविताएँ (सं नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली) टूटी हुई बिखरी हुई, एक पीली शाम, सागर तट

भवानी प्रसाद मिश्र : दूसरा सप्तक से- कमल के फूल, बूंद टपकी एक नभ से, गीतफरोश

रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि कविताएँ (राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली) पानी के संस्मरण, रचता वृक्ष, आत्महत्या के विरुद्ध

धूमिल- मोचीराम, अकाल दर्शन

केदारनाथ सिंह- बाघ, बनारस

इकाई : 2

दिनकर- राष्ट्रीयता सांस्कृतिक चेतना और काव्यकला

केदारनाथ अग्रवाल- प्रकृति सौन्दर्य, समाज चेतना और भाषा

नागार्जुन- यथार्थ चेतना, लोकदृष्टि, व्यंग्य

इकाई : 3

अज्ञेय- परम्परा, आधुनिकता और प्रयोग, व्यष्टि और समष्टि, शिल्प विधान

मुक्तिबोध- प्रगतिशील चेतना, जनपक्षधरता, आत्मसंघर्ष, फैंटेसी और शिल्प

इकाई : 4

शमशेर बहादुर सिंह- प्रकृति, सौन्दर्य, प्रेम, जीवन यथार्थ और बिम्ब विधान

भवानी प्रसाद मिश्र- गांधीवाद, काव्य-संवेदना और भाषा

इकाई : 5

रघुवीर सहाय - राजनीतिक चेतना और काव्य भाषा

धूमिल - काव्य संवेदना और काव्य भाषा

केदारनाथ सिंह - काव्य संवेदना : लोकतत्त्व, भाषा एवं बिम्ब विधान

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. नामवर सिंह ; कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. परमानन्द श्रीवास्तव ; समकालीन कविता का व्याकरण, सुभदा प्रकाशन, दिल्ली
3. रामविलास शर्मा ; नयी कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी ; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. रेखा अवस्थी ; प्रगतिवाद और सामानांतर साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 3 भाषाविज्ञान और लिपि

क्रेडिट - 5
लिखित परीक्षा - 70 अंक
आतंरिक परीक्षा - 30
पूर्णांक - 100 अंक

इस प्रश्नपत्र का अभिप्रेत भाषा विज्ञान और लिपि सम्बन्धी ज्ञान से अध्येताओं को अवगत कराना है।

इकाई– 1. भाषा : प्रकृति ओर संरचना , भाषा के घटक– ध्वनि , शब्द , वाक्य , प्रोक्ति (संवाद)। भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, भाषा विज्ञान और व्याकरण तथा अन्य समाज विज्ञानों से से सम्बन्ध, भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ

इकाई– 2. भाषा विज्ञान का इतिहास– भारतीय एवं पाश्चात्य भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाएँ– समाज भाषिकी (भाषा और समाज का अन्तस्सम्बन्ध , भाषाई विविधता और सामाजिक संदर्भ , भाषा और जेण्डर , सामाजिक संदर्भ और भाषा , भाषा विकल्पन , सामाजिक संघर्ष और भाषा) , मनोभाषिकी , भाषा भूगोल , आधुनिक भाषा विज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय (स्कूल)

इकाई– 3. (क) ध्वनि , उच्चारण प्रक्रिया , ध्वनि की उत्पत्ति , ध्वनियों का वर्गीकरण , ध्वनि परिवर्तन के कारण ओर दिशाएँ।
(ख) ,शब्द , शब्द और पद , पद रचना की पद्धतियाँ , शब्द और अर्थ का सम्बन्ध , अर्थ बोध के साधन। अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

इकाई– 4. (क) प्रोक्ति , प्रोक्ति का परिचय एवं स्वरूप
(ख) वाक्य– वाक्य रचना ओर वर्गीकरण

इकाई– 5. लिपि की परिभाषा , भाषा और लिपि का अन्तस्सम्बन्ध , लिपि की विकास अवस्थाएँ , भारत की प्राचीन लिपियाँ

सहायक ग्रंथ :

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा , भाषाविज्ञान की भूमिका , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली
2. भोलानाथ तिवारी , भाषाविज्ञान , किताब महल , इलाहाबाद
3. कपिलदेव द्विवेदी , भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
4. बाबूराम सक्सेना , सामान भाषाविज्ञान , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
5. मोती लाल गुप्ता , आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका , राजस्थान हिंदी एकेडमी , जयपुर
6. रामदरश राय , भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा , भवदीय प्रकाशन , अयोध्या–फैजाबाद
7. सुरेन्द्र दुबे , काव्यादर्श और काव्यभाषा , भवदीय प्रकाशन , अयोध्या–फैजाबाद

Scanned by CamScanner

प्रश्न पत्र : 4 :

हिंदी आलोचना :

क्रेडिट -5, लिखित परीक्षा - 70अंक , आतंरिक मूल्यांकन - 30 अंक , पूर्णांक - 100अंक

इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य हिंदी आलोचना के मानदंडों , उनकी विकास-यात्रा और समय-समाज के साथ उनके संबंधों की प्रकृति से छात्रों को परिचित कराते हुए उनके भीतर साहित्य-विवेक के नये आयामों के प्रति रूचि विकसित करना है .

इकाई- 1 : आलोचना ; अर्थ ,स्वरुप और प्रकार

रचना और आलोचना का सम्बन्ध

आलोचक के गुण और दायित्व

इकाई- 2 : हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि, नवजागरणकालीन आलोचना : प्रमुख मान्यताएं और प्रवृतियां, साहित्यशास्त्रीय परम्परा के साथ सम्बन्ध की प्रकृति : सहमति और विरोध

इकाई- 3 : हिंदी आलोचना का नया प्रस्थान : आचार्य रामचंद्र शुक्ल के आलोचना-सिद्धांत, शुक्लोत्तर आलोचना : नंददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नगेन्द्र का योगदान

इकाई- 4 : प्रगितिशील आलोचना : अर्थ और स्वरूप, प्रगितिशील आलोचना का विकास - शिवदान सिंह चौहान, मुक्तिबोध, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह की साहित्यविषयक अवधारणाएं एवं आलोचना के मानदंड

Scanned by CamScanner

इकाई- 5 : नयी हिंदी आलोचना : अज्ञेय, विजयदेव नारायण साही और रामस्वरूप चतुर्वेदी की आलोचना-दृष्टि और उसका महत्व

सन्दर्भ - ग्रन्थ :

1.नंदकिशोर नवल ; हिंदी आलोचना का विकास

2. बच्चन सिंह ; आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज -शब्द

3.मलयज ; आचार्य रामचंद्र शुक्ल

4.रामचंद्र तिवारी ; आलोचक का दायित्व

5.विश्वनाथ त्रिपाठी ; हिंदी आलोचना

6. निर्मला जैन ; हिंदी आलोचना : बीसवीं सदी

Scanned by CamScanner

प्रश्न पत्र : 5 : वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(निम्नलिखित तीन प्रश्नपत्रों में से किसी एक का चयन अपेक्षित है)

क्रेडिट -5 , लिखित परीक्षा -70 अंक , आतंरिक मूल्यांकन - 30 अंक , पूर्णांक - 100अंक

इन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में प्राचीन एवं मध्यकालीन भक्ति , धर्म और अध्यात्म की प्रकृति के साथ मनुष्य और उसके जीवन के व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भों की समझ विकसित करना है .

(अ) गोरखनाथ

इकाई : 1 : व्याख्या : गोरखबानी (सं)- पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल

इकाई : 2

गोरखनाथ : जीवन और युग, आदिकालीन काव्य परम्परा और गोरखनाथ, प्राचीन धर्म साधना एवं गोरखनाथ, नाथयोग और भारतीय संत साहित्य

इकाई : 3

नाथ साहित्य-परंपरा और गोरखनाथ, नाथयोग दर्शन, साधना का स्वरूप और गोरखनाथ, गोरखनाथ : दर्शन एवं योग साधना

इकाई : 4

गोरखनाथ की साहित्य-साधना, प्रमुख रचनाएँ, साहित्यिक प्रवृतियाँ - जीवन संवेदना और काव्य-चेतना

इकाई : 5

भाषा, शैली एवं शिल्प, गोरखनाथ का साहित्यिक महत्व और मूल्यांकन

Scanned by CamScanner

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची :

1.पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल; गोरखबानी

2. रामचंद्र तिवारी ; मध्ययुगीनकाव्य-साधना विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

3. धर्मवीर भारती ; सिध्द साहित्य

4. प्रदीप कुमार राव ; नाथपंथ और भक्ति-आन्दोलन,चतुर्व्यूह प्रकाशन, नई दिल्ली

5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल; हिंदी साहित्य का इतिहास

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 5 (ब)

कबीरदास :

इकाई : 1

व्याख्या : कबीर ग्रंथावली (सं. श्यामसुंदर दास) साखी - गुरुदेव को अंग, सुमिरन को अंग, विरह को अंग, परचा को अंग, ज्ञान को अंग, निहकर्मी पतिव्रता को अंग, चितावणी को अंग, माया को अंग, निर्गुण को अंग, सहज को अंग, साँच को अंग, साधु को अंग, जीवन मृतक को अंग, गुरु शिष्य हेरा को अंग, काल को अंग, रस को अंग, बेली को अंग, मधि को अंग

इकाई : 2

भक्ति आन्दोलन के सामाजिक-सांस्कृतिक आधार, दार्शनिक परिप्रेक्ष्य, भक्तिकाव्य का स्वरूप, भेद, निर्गुण-सगुण का सम्बन्ध: साम्य और वैषम्य

इकाई : 3

हिंदी संतकाव्य परंपरा और कबीरदास, कबीरदास : जीवन, परिवेश , साहित्य और युग- सन्दर्भ

इकाई : 4

कविरूप, रहस्यवाद, दार्शनिक विचार , भक्ति भावना, समाज-दर्शन एवं प्रतिरोध की संस्कृति तथा जीवन-मूल्य

इकाई : 5

काव्य-कला - छंद , शब्द , भाषा और कला , कबीरदास की कृतियाँ, उनका साहित्यिक महत्व और मूल्यांकन

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. शिवकुमार मिश्र, भक्ति-आन्दोलन और भक्ति-काव्य लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. वासुदेव सिंह, कबीर ,अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
4. रघुवंश, कबीर :एक नयी दृष्टि , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. रामचंद्र तिवारी, कबीर-मीमांसा , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 5 (स)

तुलसीदास

इकाई : 1

व्याख्या -

रामचरितमानस (गीता प्रेस) - उत्तर कांड

विनय पत्रिका (गीता प्रेस)

इकाई : 2

भक्ति आन्दोलन के सामाजिक-सांस्कृतिक आधार, दार्शनिक परिप्रेक्ष्य, भक्तिकाव्य का स्वरूप, भेद, निर्गुण-सगुण का सम्बन्ध: साम्य और वैषम्य

इकाई : 3

हिंदी रामकाव्य परम्परा और तुलसीदास, तुलसीदास : जीवन साहित्य और युग सन्दर्भ, कविरूप

इकाई : 4

दार्शनिक सिद्धांत, भक्ति भावना, काव्य सौन्दर्य, समाज-दर्शन, लोकमंगल-समन्वय साधना एवं काव्यादर्श, तुलसीदास के राम

इकाई : 5

अभिव्यक्ति सौन्दर्य - छंद योजना, भाषा, काव्यरूप और काव्यकला, तुलसीदास की कृतियों का साहित्यिक महत्व और उनका मूल्यांकन

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. तुलसी काव्यमीमांसा ; डॉ. उदयभान सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. तुलसीदास ; आचार्य रामचंद्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. लोकवादी तुलसीदास ; डॉ. विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. तुलसी दर्शन मीमांसा ; डॉ. उदयभानु सिंह
5. तुलसी ; डॉ. रामचंद्र तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. तुलसी ; विनोद शाही, आधार प्रकशन, पंचकूला

Scanned by CamScanner

સેમેસ્ટર : ૫

प्रश्न पत्र: 1 : हिंदी निबंध एवं नाटक

क्रेडिट-5, लिखित परीक्षा - 70 अंक , आतंरिक मूल्यांकन -30 अंक , पूर्णांक - 100अंक

हिंदी निबंध एवं नाट्य-साहित्य के स्वरूप तथा विशेषताओं से विद्यार्थियों को परिचित कराते हुए इन विधाओं के साहित्य के माध्यम से समाज-संस्कृति के प्रति उनकी चेतना और संवेदना का विकास करना इस प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

इकाई- 1 : व्याख्या :

निबंध : रामचंद्र शुक्ल - भाव या मनोविकार , कविता क्या है ?

हजारी प्रसाद द्विवेदी - कुटज , नाखून क्यों बढ़ते हैं ?

विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है , तमाल के झरोखे से

कुबेरनाथ राय - श्रुतं मे गोपाय , निषाद बांसुरी

नाटक : भारतेंदु हरिश्चंद्र -अंधेर नगरी

जयशंकर प्रसाद -चन्द्रगुप्त

मोहन राकेश - आषाढ़ का एक दिन

भीष्म साहनी - हानूश

इकाई- 2 : निबंध: अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएं, हिंदी निबंध-साहित्य : प्रस्थान एवं विकास, नवजागरणकालीन, छायावादयुगीन एवं छायावादोत्तर हिंदी निबंध-साहित्य की विशेषताएँ तथा प्रवृतियां

इकाई- 3 : हिंदी निबंधकार : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी,

Scanned by CamScanner

विद्यानिवास मिश्र, तथा कुबेरनाथ राय का निबंध-साहित्य : संवेदना और शैली-शिल्प का सौन्दर्य

इकाई- 4 : नाटक : अर्थ एवं विशेषताएं , हिन्दी नाटक-साहित्य : प्रस्थान एवं विकास, नवजागरणकालीन, प्रसादयुगीन तथा प्रसादोत्तर नाटकों की विशेषताएं और प्रवृतियां

इकाई- 5 : हिंदी नाटककार : भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश तथा भीष्म साहनी के नाटक-साहित्य की संवेदना एवं संरचना

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.कमला प्रसाद ; समकालीन हिंदी निबन्ध, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़

2.गिरीश रतोगी : समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना , हरियाणा साहित्य अकादमी , चंडीगढ़

3.चौथीराम यादव ; आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य , हरियाणा ग्रन्थ अकादमी , चंडीगढ़

4.दशरथ ओझा ; हिंदी नाटक :उद्भव और विकास , राजपाल एंड संस, दिल्ली

5 .रामचंद्र तिवारी ; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 2 हिंदीतर भारतीय साहित्य

क्रेडिट - 5
लिखित परीक्षा - 70 अंक
आंतरिक परीक्षा - 30 अंक
पूर्णांक - 100

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य से परिचित कराना है

इकाई : 1

भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई : 2

मध्यकालीन हिंदीतर भारतीय भक्ति साहित्य, विविध सम्प्रदाय एवं दर्शन, तमिल के आलवार एवं नयनार, उड़िया का पंच्सखा सम्प्रदाय, बंगाल का गौडीय सम्प्रदाय, असं में शंन्कर्देव का महापुरुषीय धर्म

इकाई : 3

मध्यकालीन हिंदीतर भारतीय रचनाकारों का सामान्य परिचय एवं योगदान- आंडाल तिरुवल्लुवर, तुकाराम, नामदेव, नरसी मेहतर, चंडीदास, नानक, शंकरदेव

इकाई : 4

हिंदीतर भारतीय गद्य साहित्य - कादम्बरी (बाणभट्ट), संस्कार (यु. आर. अनंतमूर्ति), हय वदन (गिरीश करनाड) ईश्वर (प्रतिभा राय), आंधी (पी. पद्मराजू)

इकाई : 5

हिंदीतर भारतीय काव्य : रघुवंशम(कालिदास), गीतांजलि(रवीन्द्रनाथ ठाकुर), दीवान-ए-ग़ालिब(मिर्जा ग़ालिब)

Scanned by CamScanner

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची

1. रामविलास शर्मा ; आधुनिक भारतीय साहित्य की भूमिका
2. डॉ. नगेन्द्र ; भारतीय वांग्मय
3. अयप्पा पणिक्कर ; मेडिवल इंडियन पोएट्री
4. रामधारी सिंह दिनकर ; संस्कृति के चार अध्याय
5. जवाहरलाल नेहरु ; हिंदुस्तान की कहानी
6. के. सच्चिदानंदन ; भारतीय साहित्य

Scanned by CamScanner

5 क्रेडिट, पूर्णांक– 100 अंक

लिखित परीक्षा– 70 अंक

आन्तरिक परीक्षा– 30 अंक

हिंदी की बनावट , व्याकरण तथा उसके व्यावहारिक रूप से अध्येताओं को परिचित कराना इस प्रश्नपत्र का लक्ष्य है।

इकाई– 1. भाषा की प्रकृति : भाषा का अर्थ एवं स्वरूप , भाषा के अंग (अवयव)

'हिंदी' : नाम– निरुक्ति, अर्थ–मीमांसा

हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास

हिंदी भाषा–समुदाय : (क) उपभाषाएँ , (ख) बोलियाँ (विभाषाएँ)

भाषा के विविध रूप : (क) मातृभाषा (ख) राष्ट्रभाषा (ग) अंन्तरराष्ट्रीय भाषा (घ) राजभाषा (च) सम्पर्क भाषा (आन्तरभाष) (छ) संकरभाषा (ज) संचारभाषा (झ) वैज्ञानिक एवं तकनीकी भाषा (ट) द्विभाषिकता (ठ) हिंदी और इण्टरनेट (ड) सर्जनात्मकभाषा (ढ) परिनिष्ठितभाषा (ण) मानकभाषा

इकाई– 2. वर्ण–विचार

ध्वनि, वर्ण, अक्षर : स्वरूप और अन्तर

हिंदी–वर्णमाला : विकास और वर्तमान स्वरूप

हिंदी–ध्वनियाँ : भेद, ध्वनियंत्र (वाग्‌यंत्र) ,वर्गीकरण , सन्धि–संगम

भाषा और लिपि का सम्बन्ध

देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्‌भव और विकास, अंकों और वर्णों का विकास, वर्तमान स्वरूप, विशेषताएँ (गुण और वैज्ञानिकता), कमियाँ (दोष) , सुधार के प्रयत्न, नागरी एवं भारतीय भाषाएँ, नागरी का अन्तरराष्ट्रीय प्रयोजन

इकाई– 3. शब्द–विचार

शब्द : अर्थ, वर्गीकरण (तत्सम, तद्‌भव, देशज, विदेशी, संकर) , शब्दशक्ति (अभिधा, लक्षणा,व्यंजना), शब्दार्थ–भेद (एकार्थक, अनेकार्थ, पर्यायार्थक, विलोमार्थक, अनुरणनात्मक, व्यंजक, शब्द–संक्षिप्ति)

हिंदी की शब्द–सम्पदा

हिंदी की वर्तनी : शुद्ध–अशुद्ध विवेक

Scanned by CamScanner

हिंदी के विरामचिन्ह

शब्द का निर्माण–विधान : (क) शब्द–रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, परसर्ग, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय

(ख) व्याकरणिक कोटियाँ– वाच्य, काल, पुरुष, वचन, लिंग, कारक

इकाई– 4. वाक्य–विचार

वाक्य की अवधारणा, वाक्य की परिभाषा

वाक्य–निर्माण सम्बन्धी विधान (पदक्रम, अन्वय, प्रयोग)

वाक्य के अंग (उद्देश्य, विधान)

वाक्य के गुण (आकाँक्षा, योग्यता, सन्निधान)

वाक्य के भेद (रचनापरक, अर्थपरक, शैलीपरक)

वाक्य में परिवर्तन की दिशाएँ , वाक्य–परिवर्तन के कारण

वाक्यों की अशुद्धियाँ

लोकोक्ति और मुहावरे

इकाई– 5. प्रयोजनमूलक रूप

भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : अवधारणा, अर्थ, महत्त्व

पारिभाषिक शब्दावली, प्रशासनिक शब्दावली

कातकाजी हिंदी : कार्यालयीय हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, अधिसूचना, परिपत्र, प्रेस–विज्ञप्ति

पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचारलेखन–कला, संपादन, विज्ञापन, साक्षात्कार, जनसंचार–माध्यम (श्रव्य–दृश्य)

अनुवाद : स्वरूप, प्रक्रिया, प्रविधि, प्रभेद

प्रमुख अनुवाद : कार्यालयीय अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद

दुभाषिया– दुभाषिया– प्रविधि, तकनीकी अनुवाद

सहायक ग्रंथसूची :

1. धीरेन्द्र वर्मा, हिंदी भाषा , हिन्दुस्तानी एकेडमी , इलाहाबाद
2. भोलानाथ तिवारी ,हिंदी भाषा , किताब महल , इलाहाबाद
3. कैलाशचन्द्रभाटिया , हिंदी भाषा , साहित्य भवन , इलाहाबाद
4. हरदेव बाहरी , हिंदी भाषा , अभिव्यक्ति प्रकाशन , इलाहाबाद
5. हरदेव बाहरी , अर्थतत्त्व , हिन्दुस्तानी एकेडमी , इलाहाबाद
6. किशोरीदास वाजपेयी , हिंदी शब्दानुशासन , नागरी प्रचारिणी सभा , काशी
7. कामता प्रसाद गुरु , हिंदी व्याकरण , नागरी प्रचारिणी सभा , काशी
8. सत्यनारायण त्रिपाठी , हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
9. उदय नारायण तिवारी , हिंदी भाषा का उद्भव और विकास , भारती भण्डार , इलाहाबाद
10. रामेश्वर प्रसाद , राजभाषा हिंदी , अनुपम प्रकाशन पटना
11. अनन्त चौधरी , नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी , हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय , दिल्ली
12. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव , हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम
13. धीरेन्द्र वर्मा , हिंदी भाषा का इतिहास
14. कामता प्रसाद गुरु , हिंदी व्याकरण

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 4

हिंदी शोध-प्रविधि

क्रेडिट -5, लिखित परीक्षा - 70अंक , आतंरिक मूल्यांकन - 30 अंक , पूर्णांक - 100अंक

इस प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम से छात्रों में शोध की सैद्धांतिकी और उसके व्यावहारिक उपयोग की समझ विकसित हो सकेगी

इकाई : 1

अनुसन्धान का स्वरूप, अवधारणा और उसके विविध क्षेत्र, अनुसन्धान का प्रयोजन, अनुसन्धान तथा आलोचना

इकाई : 2 :

अनुसन्धान के प्रकार और उसकी पध्दतियां-- ऐतिहासिक, भाषा वैज्ञानिक एवं शैली वैज्ञानिक, तुलनात्मक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, मनोवैज्ञानिक, काव्यशास्त्रीय ; पाठानुसंधान एवं पाठालोचन

इकाई : 4

शोधकार्य की प्राक्कल्पना, उद्देश्य और महत्त्व, साहित्यिक अनुसन्धान की मूल-दृष्टि और उसके तत्त्व

इकाई : 5

शोध प्रबंध लेखन : शोध प्रबंध की आंगिक व्यवस्था, सामग्री का विभाजन तथा संयोजन, उद्धरण तथा सन्दर्भ उल्लेख, उपसंहार, परिशिष्ट, ग्रन्थ-सूची एवं अनुक्रमणिका

Scanned by CamScanner

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. आनंद प्रकाश दीक्षित ; साहित्य : सिद्धांत और शोध
2. गुलाम रसूल, एस० और सरगु कृष्णमूर्ति : तुलनात्मक अनुसन्धान और उसकी समस्याएँ, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ
3. गोविन्द त्रिगुणायत ; साहित्य सन्देश, शोध विशेषांक, साहित्य रत्न भण्डार, आगरा
4. चंद्रभान रावत ; शोध प्रविधि और प्रक्रिया
5. देवराज उपाध्याय ; साहित्यिक अनुसन्धान के सोपान
6. नगेन्द्र ; शोध और सिद्धांत, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
7. मनमोहन सहल ; हिंदी शोधतंत्र की रूपरेखा
8. विजयपाल सिंह ; हिंदी अनुसंधान, राजपाल एंड संस, दिल्ली

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र ; 5 : वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(निम्नलिखित तीन प्रश्नपत्रों में से किसी एक का चयन अपेक्षित है.)

क्रेडिट -5 , लिखित परीक्षा -70 अंक , आतंरिक मूल्यांकन - 30 अंक ,पूर्णांक -100 अंक

इन प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में हिंदी नवजागरण के व्यापक प्रभावों में बीसवीं शताब्दी के समाज और साहित्य में घटित होने वाले परिवर्तनों , समाजार्थिक -राजनीतिक -सांस्कृतिक परिस्थितियों और उनके बीच सामान्य मनुष्य की आकांक्षाओं तथा संघर्षों की समझ विकसित हो सकेगी . प्रेम ,प्रकृति और सौन्दर्य के साथ साहित्य के निर्मित होते नये संबंधों की व्याख्या की दृष्टि और चेतना के विकास की संभावनाओं के लिए भी यह पाठ्यक्रम उपयोगी प्रामाणित हो सकेगा .

प्रश्नपत्र : 5 (अ) :

प्रेमचंद :

इकाई : 1 : व्याख्या :

उपन्यास : रंगभूमि

कहानी- कफ़न, पूस की रात, ईदगाह, पंच परमेश्वर, बूढी काकी

निबंध- साहित्य का उद्देश्य, महाजनी सभ्यता

इकाई : 2

प्रेमचंद : जीवन एवं युग, प्रेमचंद की रचनाएं एवं साहित्य-साधना

इकाई :3

Scanned by CamScanner

हिंदी उपन्यास परंपरा और प्रेमचंद, प्रेमचंद के उपन्यास- सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कर्मभूमि, गबन, गोदान का महत्त्व और मूल्यांकन

इकाई : 4

हिंदी कहानी परंपरा और प्रेमचंद, प्रेमचंद की कहानियों का महत्त्व और मूल्यांकन

इकाई : 5

प्रेमचंद का निबंध साहित्य ; विचार एवं चिंतन का परिदृश्य, साहित्यिक महत्त्व और मूल्यांकन, साहित्य चिन्तन और प्रतिमान

सन्दर्भ-ग्रन्थ -

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास ; डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. हिंदी कहानी का इतिहास ; भाग- 1, 2, डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. गोदान, नया परिप्रेक्ष्य, डॉ. गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना
4. गोदान कुछ सन्दर्भ ; डॉ. कमलेश कुमार गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 5 (ब)

जयशंकर प्रसाद

इकाई: 1 : व्याख्या :

कामायनी (चिंता एवं इड़ा सर्ग) , स्कंदगुप्त , काव्य कला और अन्य निबन्ध

इकाई : 2 :

प्रसाद : जीवन एवं युग सन्दर्भ, रचनायें एवं साहित्य- साधना, छायावादी काव्य परंपरा और प्रसाद

इकाई: 3 :

प्रसाद की कविताएं : छायावादी अंतर्वस्तु एवं विन्यास, प्रेम-प्रकृति एवं सौन्दर्य, जीवन-दर्शन, समरसता और आनंदवाद, कामायनी के रूपक तत्व, कामायनी का प्रबंध विन्यास एवं आधुनिक सन्दर्भ

इकाई : 4

प्रसाद की नाट्य कृतियाँ : इतिहास, कल्पना एवं युगीन सन्दर्भ, रंगमंचीयता एवं नाट्य शिल्प

इकाई : 5

प्रसाद का निबंध साहित्य, विचार और चिंतन का सन्दर्भ, साहित्यिक महत्त्व और मूल्यांकन, काव्य चिंतन एवं काव्यादर्श

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची -

1. नामवर सिंह, छायावाद राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
२. तारकनाथ बाली, छायावाद और कामायनी , सार्थक प्रकाशन, दिल्ली
3 . कुमार विमल, सौन्दर्यशास्त्र के तत्व , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. नगेन्द्र, कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. सिद्धनाथ कुमार, प्रसाद के नाटक अनुपम प्रकाशन, पटना

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र : 5 (स)

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इकाई : 1

व्याख्या -

काव्य : राग विराग - संपादक- रामविलास शर्मा

उपन्यास - कुल्लीभाट

निबंध - प्रबंध प्रतिमा

इकाई : 2

निराला : जीवन एवं युग सन्दर्भ, रचनाएं एवं साहित्य साधना, छायावादी काव्य-परम्परा एवं निराला

इकाई : 3

निराला की कविताएं : अंतर्वस्तु एवं विन्यास, प्रेम, प्रकृति एवं सौन्दर्य, यथार्थ चेतना एवं प्रतिरोध, लम्बी कविताएं एवं महाकाव्योचित औदात्य, मुक्त छंद

इकाई : 4

निराला का उपन्यास साहित्य - युगीनसन्दर्भ, अभिव्यक्ति, सौन्दर्य, महत्त्व और मूल्यांकन, हिंदी कहानी परम्परा और निराला, कहानियों का कथ्य एवं शिल्प

इकाई : 5

निराला का निबंध साहित्य, विचार और चिंतन का परिप्रेक्ष्य, साहित्यिक महत्त्व और मूल्यांकन, साहित्य-चिंतन एवं प्रतिमान

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची -

1. रामविलास शर्मा, निराला की साहित्य साधना , तीन खंड , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. परमानन्द श्रीवास्तव; निराला की कविताएँ नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
3. रेखा खरे; निराला की कविताएँ और काव्यभाषा , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. राजेन्द्र कुमार (सं); निराला , अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

Scanned by CamScanner

स्नातकोत्तर : हिन्दी सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

कुल 4 सेमेस्टर

सेमेस्टर : 1

प्रश्न पत्र : एक — हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल तथा मध्यकाल
प्रश्न पत्र : दो — आदिकालीन तथा मध्यकालीन हिन्दी काव्य
प्रश्न पत्र : तीन — लोक साहित्य के सिद्धान्त और भोजपुरी ~~साहित्य~~ काव्य तथा नाटक
प्रश्न पत्र : चार — भारतीय काव्यशास्त्र
प्रश्न पत्र : पाँच (वैकल्पिक) (अ) सिनेमा और हिन्दी साहित्य /
(ब) हिन्दी पत्रकारिता

सेमेस्टर : 2

प्रश्न पत्र : एक — आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास
प्रश्न पत्र : दो — आधुनिक हिन्दी काव्य : भारतेन्दु युग से छायावाद तक
प्रश्न पत्र : तीन — हिन्दी कहानी
प्रश्न पत्र : चार — पाश्चात्य काव्यशास्त्र
प्रश्न पत्र : पाँच (वैकल्पिक) (अ) दलित विमर्श और हिन्दी साहित्य /
(ब) स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य

सेमेस्टर : 3

प्रश्न पत्र : एक — हिन्दी उपन्यास
प्रश्न पत्र : दो — छायावादोत्तर हिन्दी कविता
प्रश्न पत्र : तीन — भाषा विज्ञान और लिपि
प्रश्न पत्र : चार — हिन्दी आलोचना
प्रश्न पत्र : पाँच (वैकल्पिक) (अ) गोरखनाथ
(ब) कबीरदास
(स) तुलसीदास

सेमेस्टर : 4

प्रश्न पत्र - एक — हिन्दी निबन्ध एवं नाटक
प्रश्न पत्र : दो — हिन्दीतर भारतीय साहित्य
प्रश्न पत्र : तीन — हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी
प्रश्न पत्र : चार — हिन्दी शोध-प्रविधि
प्रश्न पत्र : पाँच (वैकल्पिक) (अ) प्रेमचंद
(ब) जयशंकर प्रसाद
(स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

Scanned by CamScanner